सेमेस्टर–पद्धति में स्नातकोत्तर–स्तर पर परियोजना कार्य

शैक्षणिक सत्र 2008–09 से मध्यप्रदेश के समस्त शासकीय/अशासकीय महाविद्यालयों में सेमेस्टर–पद्धति लागू की गयी है। स्नातकोत्तर–स्तर पर परियोजना–कार्य के स्वरूप को लेकर अधिकतर महाविद्यालयों कों शंकाएँ है। अतः स्नातकोत्तर–स्तर पर रोज़गारमूलक परियोजना कार्य की योजना के लिये निम्न मार्गदर्शी निर्देश जारी किये जा रहे हैं :

- परियोजना कार्य का उद्‌देश्य रोज़गार/स्वरोज़गार के स्थलों/अवसरों की खोज करना एवं उस कार्य के लिये आवश्यक कौशल/ज्ञान प्राप्त करना है ताकि पाठ्‌यक्रम समाप्ति पर विद्यार्थी रोज़गार/स्वरोज़गार के लिये स्वयं को विशिष्ट बौद्धिक समाज के बीच आत्मविश्वास से परिपूर्ण होकर प्रस्तुत कर सकें।

- स्नातकोत्तर पाठ्‌यक्रम में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थीगण निम्न <u>चार प्रमुख कार्यक्षेत्रों</u> को ध्यान में रखते हुए पाठ्‌यक्रम में प्रवेश लेते हैं :

  (i) उपाधि प्राप्त कर शिक्षण कार्य करना।

  (ii) उपाधि प्राप्त कर अनुसंधान के क्षेत्र में कार्य करते हुए वैज्ञानिक बनना अथवा और उच्च–स्तर की शिक्षा (M.Phil./Ph.D./M.Tech.) प्राप्त कर अपने विषय में विशेषीकृत रोज़गार प्राप्त करना।

  (iii) उपाधि प्राप्त कर उद्योगों एवं सरकारी/गैरसरकारी संस्थाओं में नौकरी प्राप्त करना।

  (iv) उपाधि प्राप्त कर स्वयं का उद्योग/धंधा स्थापित कर व्यापार प्रारंभ करना।

  प्रत्येक विद्यार्थी को सम्पूर्ण स्नातकोत्तर पाठ्‌यक्रम के दौरान उपरोक्तानुसार वर्णित चार कार्यक्षेत्रों में से केवल एक बार ही <u>एक कार्यक्षेत्र</u> को चुनते हुए उसी कार्यक्षेत्र में प्रत्येक सेमेस्टर में अपना परियोजना कार्य पूर्ण करना होगा।

- विद्यार्थी को रोज़गार योग्य बनने के लक्ष्य में पूर्ण सफलता तब ही प्राप्त हो सकती है जब विद्यार्थी का व्यक्तित्व चुने हुए रोज़गार के अनुरूप हो। आधुनिक युग में व्यक्तित्व विकास के कई संसाधन एवं विधाएँ उपलब्ध हैं यदि इन तकनीकों एवं विधाओं का ज्ञान तथा कौशल विद्यार्थी अर्जित कर ले तो न केवल रोज़गार वरन् जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में वह सफलता प्राप्त कर सकता है। इस प्रकार विद्यार्थी को रोज़गार की दृष्टि से सर्वगुण संपन्न बनाने के उद्देश्य से व्यक्तित्व–विकास की

विधाओं का ज्ञान एवं कौशल प्रदान करना आवश्यक है। उपर्युक्त उद्देश्य से स्नातकोत्तर कक्षाओं के प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर में रोज़गार–मूलक परियोजना कार्य के साथ–साथ व्यक्तित्व विकास की विधाओं का समावेश भी किया जा रहा है।

- सेमेस्टर–पद्वति के अन्तर्गत समस्त संकायों में, प्रत्येक सेमेस्टर में, प्रत्येक विद्यार्थी को 50 अंकों का एक परियोजना कार्य (Project-Work) अनिवार्यतः पूर्ण करना होगा। <u>प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर के लिए परियोजना कार्य संबंधी सामान्य निर्देश निम्नानुसार है</u> :

    - विभागाध्यक्ष द्वारा परियोजना कार्य हेतु विद्यार्थियों के लिये गाइड का नाम निर्धारित किया जावेगा।
    - परियोजना कार्य के दौरान उत्पन्न होने वाली समस्याओं का समाधान यथासंभव निर्देशक (गाइड) द्वारा किया जावेगा। विशेष परिस्थितियों में विभागाध्यक्ष अथवा प्राचार्य भी समाधान प्रदान कर सकेंगे।
    - प्रत्येक विद्यार्थी को परियोजना कार्य (Project-Work) से संबंधित प्रतिवेदन (Report) निर्धारित प्रारूप में अनिवार्यतः प्रत्येक सेमेस्टर में अंतिम शैक्षणिक कार्य दिवस के 15 दिवस पूर्व अपने–अपने निर्देशक (गाइड) के माध्यम से विभाग में जमा करनी होगी।
    - परियोजना कार्य हेतु न्यूनतम 33 प्रतिशत अंक उत्तीर्ण होने के लिये आवश्यक है।
    - परियोजना कार्य जमा नहीं करने की स्थिति में विद्यार्थी को अनुत्तीर्ण घोषित किया जावेगा एवं परीक्षा नियमानुसार उसे ए.टी.के.टी. अथवा अनुत्तीर्ण घोषित किया जावेगा।
    - प्रत्येक सेमेस्टर में परियोजना–कार्य हेतु लगभग 50 मानव–घंटे (Man hours) और 50 अंक निर्धारित किये गये है।
    - प्रत्येक विद्यार्थी परियोजना–कार्य को अपने नियमित अध्ययनकाल के अतिरिक्त समय में पूर्ण करने का प्रयास करेगा।
    - परियोजना कार्य के स्वरूप को दृष्टिगत रखते हुए आवश्यकता अनुरूप एक सेमेस्टर में अधिकतम पॉच दिवसों का अध्ययन–अवकाश, गाइड से अग्रेषित आवेदन पर विभागाध्यक्ष द्वारा स्वीकृत किया जा सकता है। संबंधित संस्था द्वारा हस्ताक्षरित उपस्थिति प्रमाण–पत्र प्रस्तुत करने पर उपस्थिति का लाभ समस्त विषयों में विद्यार्थी को दिया जावेगा।
    - प्रथम/द्वितीय सेमेस्टर के अंत में विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट (परियोजना–कार्य के प्रतिवेदन) पर एक मौखिक परीक्षा आयोजित की जावेगी।
    - प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिये मौखिक परीक्षा अर्थात परियोजना कार्य के मूल्यांकन का स्वरूप आंतरिक होगा। इस सेमेस्टर में परियोजना कार्य का मूल्यांकन संस्थागत स्तर पर निर्देशक (गाइड) द्वारा किया जावेगा।
    - द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिये मौखिक परीक्षा अर्थात परियोजना कार्य के मूल्यांकन का स्वरूप बाह्य होगा। इन सेमेस्टरों में परियोजना कार्य का मूल्यांकन विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त बाहय परीक्षकों द्वारा आंतरिक परीक्षकों के सहयोग से

किया जावेगा। स्वशासी महाविद्यालय में इनकी नियुक्ति प्राचार्य / परीक्षा–नियंत्रक द्वारा की जावेगी।

- परियोजना–कार्य की मौखिक परीक्षा प्रोजेक्ट–रिपोर्ट प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि के 10 दिवसों के अंदर आयोजित की जावेगी।
- मौखिक परीक्षा के दौरान विद्यार्थी को प्रोजेक्ट–रिपोर्ट पर प्रस्तुती देनी होगी। मौखिक परीक्षा कक्षा के समस्त विद्यार्थियों एवं विभाग के समस्त संकाय सदस्यों की उपस्थित में आयोजित की जावेगी। यह प्रस्तुती M.S. Word / M.S. Powerpoint में की जावेगी।
- अधिकतम 25 विद्यार्थियों के एक बैच के लिए मौखिक परीक्षा हेतु 3 घण्टे का समय निर्धारित किया गया है। एक दिन में ऐसे दो बैच ही आयोजित किए जा सकते है।
- परियोजना–कार्य में मूल्यांकन का आधार निम्न बिंदुवार होगा :

(i)	प्रतिवेदन	– *परियोजना कार्य*	20 अंक
		– *व्यक्तित्व विकास*	10 अंक
(ii)	प्रस्तुतीकरण (Presentation)		10 अंक
(iii)	मौखिक–परीक्षा (Viva-Voce)		10 अंक
		कुल	50 अंक

<u>टीप</u>: मौखिक परीक्षा के दौरान निर्देशक (गाइड) / बाहय–परीक्षक के समक्ष परियोजना कार्य की अप्रमाणिकता अथवा यह प्रमाणित हो कि विद्यार्थी ने परियोजना कार्य स्वयं नहीं किया है तो विद्यार्थी को शून्य अंक आंवटित किए जा सकते है।

- स्नातकोत्तर स्तर पर परियोजना कार्य की योजना चार सेमेस्टरों में निम्नानुसार विभाजित की गयी है :

1. प्रथम सेमेस्टर

(a) विद्यार्थी की क्षमताओं / योग्यताओं / अभिरूचि के अनुरूप उसके रोज़गारोन्मुखी कार्यक्षेत्र को चिन्हित करते हुए रोज़गार का प्रथम विकल्प प्रदान करना। *(टीपः विद्यार्थी के लिये विकल्प का चयन गाइड की सहमति से किया जावेगा।)*

(b) व्यक्तित्व विकास के लिये आवश्यक सूचीबद्ध शीर्षकों *(परिशिष्ट–1)* में से किन्हीं दो शीर्षकों पर विद्यार्थी द्वारा प्रतिवेदन तैयार करना एवं उस पर प्रस्तुतीकरण देना। *(टीपः विद्यार्थी के लिये शीर्षकों का चयन गाइड की सहमति से किया जावेगा।)*

विशेष टीपः

(i) विद्यार्थी को कार्यक्षेत्र का चयन करते समय पूर्ण सावधानी रखनी चाहिए क्योंकि चयनित कार्यक्षेत्र में ही उसे आगे के सेमेस्टरों में परियोजना कार्य को जारी रखना होगा।

(ii) विद्यार्थी को परियोजना कार्य निर्धारित–प्रारूप (परिशिष्ट–2) में प्रस्तुत करना होगा जिससे एकरूपता बनी रहे।

2. द्वितीय सेमेस्टर

(a) विद्यार्थी द्वारा प्रथम–सेमेस्टर में चयनित कार्यक्षेत्र में ही रोज़गार का दूसरा विकल्प प्रदान करना। *(टीपः विद्यार्थी के लिये रोज़गार के दूसरे विकल्प का चयन गाइड की सहमति से किया जावेगा।)*

दोनों विकल्पों का तुलनात्मक अध्ययन करते हुए किसी एक विकल्प को अंतिम रूप से चयनित करना। चयनित विकल्प के संदर्भ में द्वितीय–सेमेस्टर के प्रोजेक्ट–प्रारूप में निम्न बिंदुओं पर जानकारियॉ सम्मिलित करना होगीः

- विकल्प के संदर्भ में वांछित प्रत्यक्ष कौशल / कौशलों से संबंधित जानकारियॉ और विद्यार्थी के परिप्रेक्ष्य में कौशल / कौशलों का वर्तमान स्तर एवं उसे / उन्हे को समृद्ध करने के उपाय।
- विकल्प के संदर्भ में उपयोगी अप्रत्यक्ष कौशलों की बिंदुवार जानकारियॉ और विद्यार्थी के परिप्रेक्ष्य में कौशल का वर्तमान स्तर एवं कौशल को और समृद्ध करने के उपाय।
- उपरोक्त कौशलों के संदर्भ में विद्यार्थी द्वारा एकत्रित सैद्धांतिक जानकारियॉ।

विशेष टीप :

(i) *विद्यार्थी चाहे तो प्रथम सेमेस्टर में लिए गए रोजगार के प्रथम विकल्प पर आगे कार्य जारी रख सकता है।*

(ii) *चयनित कार्यक्षेत्र में रोजगार के दूसरे विकल्प का अर्थ निम्न उदाहरण से स्पष्ट किया जा रहा है :*

उदाहरणः
यदि कोई विद्यार्थी प्रथम सेमेस्टर में "**उपाधि प्राप्त कर शिक्षण कार्य करने**" को अपना कार्यक्षेत्र चुनता है और रोजगार के पहले विकल्प के रूप में विद्यालय में शिक्षक बनने के लिये अपना परियोजना कार्य पूर्ण करता है। परन्तु द्वितीय सेमेस्टर में वह इसी कार्यक्षेत्र में रहते हुए रोजगार के दूसरे विकल्प के रूप में महाविद्यालय में प्राध्यापक बनने के लिये अपना परियोजना कार्य ले सकता है।

(b) व्यक्तित्व विकास के लिये आवश्यक सूचीबद्ध शीर्षकों *(परिशिष्ट–1)* में से किन्हीं दो अतिरिक्त शीर्षकों पर विद्यार्थी द्वारा प्रतिवेदन तैयार करना एवं उस पर प्रस्तुतीकरण देना। *(टीपः विद्यार्थी के लिये शीर्षकों का चयन गाइड की सहमति से किया जावेगा।)*

टीपः विद्यार्थी को परियोजना कार्य निर्धारित–प्रारूप (परिशिष्ट–2) में प्रस्तुत करना होगा जिससे एकरूपता बनी रहे।

3. तृतीय सेमेस्टर

इस सेमेस्टर में परियोजना कार्य का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थी को रोजगार में सहयोगी / आवश्यक जानकारियों / कौशलों से परिचित करवाते हुए उसमें दक्षता लाना है। यह कार्य एक **Job Oriented Project Module** के माध्यम से संबंधित विभाग द्वारा यथासंभव महाविद्यालय में ही पूर्ण किया जाएगा। इसका स्वरूप निम्नानुसार होगा :

Job Oriented Project Module

(In form of Workshop/Training-Module/Capsule-Course/etc)

- यह माड्यूल लगभग 50 कार्यशील मानव घण्टों का होगा। इसका अनुमानित विभाजन निम्नानुसार हो सकता है:

(i)	Theoretical-work *(Including demonstration work, if any)*	≈ **20** hours
(ii)	Field-visit/Survey-work/Industrial-visit	≈ **10** hours
(iii)	Practical-training through Workshop / Role-play / Group-practice *etc*	≈ **10** hours
(iv)	Home-assignment *(Including report writing)*	≈ **10** hours

- Job Oriented Project Module का निर्माण संबंधित स्नातकोत्तर विभाग विद्यार्थियों की अभिरूचि एवं लक्ष्यपूर्ति में सहायक आवश्यकताओं और स्थानीय/जिला–स्तर पर उपलब्ध सुविधाओं को दृष्टिगत रखते हुए करेंगे।

- दो या दो से अधिक विभाग मिलकर भी इस प्रकार के माड्यूल का निर्माण कर सकते हैं, जिससे Inter-disciplinary approach को बढ़ावा मिले (उदाहरणार्थ : Applied work in all the concern subjects; Research Application modules in Social Sciences *e.g.* Development of tools for data collection, survey, awareness-campaign; Social-work in disability sector; Role of computers in the concern subject; Event-management; Advertising; Sales-promotion & Marketing; Psychological Management; Ethical Management; Chemical Management; Casting System Management in Chemistry; Industrial Chemistry Management; Disaster Management; E-Commerce; Disposal-Management; Video Production; Insurance; Banking; World Trade; Foreign Exchange Trade; Retailing; Horticulture; Bio-physics; Bio-Informatics; Bio-Technology; Drug-Designing; Psycho-Physics; Watershed-Management; Rain-water Management; Environmental-Management; Computational-Mathematics; Food-preservation; Bakery & packaging; Textile printing & designing; *etc.*)। इस माड्यूल में संबंधित विभागों के विद्यार्थी सम्मिलित होंगे।

- विभाग Job Oriented Project Module के निर्माण में स्थानीय अथवा जिला–स्तर पर कार्यरत जिला उद्योग केन्द्र, उद्यमिता विकास केन्द्र, अन्य शैक्षणिक/अशैक्षणिक एवं अनुसंधान संस्थानों, प्रयोगशालाओं, निर्माण इकाईयों इत्यादि से आवश्यक सहयोग ले सकते हैं।

- Job Oriented Project Module को पूर्ण करने में महाविद्यालयों के स्टॉफ का उपयोग करने पर उनके द्वारा किये गये कार्य को उनके शैक्षणिक कार्यभार में सम्मिलित माना जाएगा। महाविद्यालय से बाहर के विद्वानों को जनभागीदारी अथवा यू.जी.सी. मद से मानदेय का भुगतान किया जा सकेगा। यदि उपरोक्तानुसार राशि मिलने में असुविधा हो तो स्ववित्तीय योजना के अंतर्गत भी इसका क्रियान्वयन किया जा सकता है परन्तु इस बात का विशेष ध्यान रखना होगा कि विद्यार्थी पर जरूरत से ज्यादा आर्थिक दबाव न पड़े। ऐसे Job Oriented Project Module विद्यार्थी की लिखित सहमति के उपरांत ही आयोजित किये जाएंगे।

- Job Oriented Project Module तैयार करते समय संबंधित विभाग इस बात का विशेष ध्यान रखें कि module ऐसा हो जिससे चतुर्थ सेमेस्टर में होने वाले विद्यार्थियों के Job-Internship हेतु संबंधित संस्थाओं से यथासम्भव सम्पर्क स्थापित हो सके।

- Job Oriented Poject Module हेतु कम से कम 10 एवं अधिकतम 20 विद्यार्थियों का समूह निर्धारित किया जा सकता है।

- Job Oriented Project Module का शीर्षक ऐसा होना चाहिये कि अधिकतर विद्यार्थियों को लाभ मिल सके।

- एक विभाग द्वारा एक से अधिक Job Oriented Project Module पर भी कार्य करवाया जा सकता है।

- किसी महाविद्यालय में यदि किसी विशेष क्षेत्र के ऐसे संसाधन एवं सुविधाएँ उपलब्ध हों जो विद्यार्थी को भविष्य में Job दिलवाने में सहायक हों तो उस विषय पर Job Oriented Project Module अवश्य आयोजित किया जाना चाहिये। शहर के अन्य महाविद्यालयों के विद्यार्थीगण भी इसमें सम्मिलित हो सकते हैं। Job Oriented Project Module के आयोजन का समय इस प्रकार निर्धारित करें जिससे नियमित अध्यापन कार्य में व्यवधान उत्पन्न न हो।

- शिक्षण के क्षेत्र में केरियर बनाने वाले विद्यार्थियों हेतु नेट/स्लेट/जेआरएफ के पाठ्यक्रम से संबंधित प्रशिक्षण माड्यूल भी तैयार किये जा सकते हैं ताकि इसके माध्यम से विद्यार्थी लाभान्वित हो सकें।

- तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिये Job Oriented Project Module के मूल्यांकन का स्वरूप आंतरिक होगा। Module की समाप्ति के समय समस्त विद्यार्थियों को अपनी प्रोजेक्ट–रिपोर्ट तैयार कर जमा करना होगी। इस रिपोर्ट पर Presentation भी देना होगा। विद्यार्थियों द्वारा तैयार प्रोजेक्ट–रिपोर्ट के मूल्यांकन का कार्य संस्थागत स्तर पर आयोजक संकाय सदस्यों द्वारा किया जावेगा। यह प्रस्तुती (Presentation) **M.S. Powerpoint** में की जावेगी।

- अनुसंधान एवं शैक्षणिक क्षेत्र में कैरियर बनाने वाले विद्यार्थी प्रोजेक्ट के रूप में किसी एक विशेष शीर्षक पर उपलब्ध अद्यतन (Latest) प्रकाशित शोधपत्रों के आधार पर Review Article लिखने का कार्य भी कर सकते हैं, परन्तु Review Article के शीर्षक का निर्धारण गाईड के निर्देश पर ही होगा। Review Article के साथ शोधपत्रों की छायाप्रतियॉं, इन्टरनेट से ली गयी जानकारियों का downloaded printout लगाना आवश्यक होगा। Review हेतु कम से कम उस क्षेत्र के 4–6 शोधपत्रों का समावेश होना चाहिये।

- Review Article में Referencing निर्धारित प्रारूप में होनी चाहिए। Review Article किन–किन शोधपत्रिकाओं में प्रकाशित किया जा सकता है इसकी सूची भी पृथक से देनी होगी। Review Article विद्यार्थी एवं गाईड के सम्मिलित नामों से प्रकाशन हेतु भेजना अनिवार्य है। विभागाध्यक्ष/प्राचार्य द्वारा हस्ताक्षरित प्रमाण–पत्र को इसका प्रमाण माना जाएगा। इसके उपरांत ही इस कार्य को Job Oriented Project Module के समतुल्य मानेंगे। इसके मूल्यांकन हेतु

विद्यार्थियों को अपना Review Article **विभाग में** जमा करना होगा एवं इस पर कक्षा के समस्त विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों की उपस्थित में Presentation भी देना होगा। Presentation एवं विद्यार्थियों द्वारा तैयार प्रोजेक्ट–रिपोर्ट के मूल्यांकन का कार्य संस्थागत स्तर पर संकाय सदस्यों द्वारा किया जावेगा।

4. चतुर्थ सेमेस्टर

इस सेमेस्टर में परियोजना कार्य का उद्देश्य विद्यार्थियों को स्थल पर ही प्रशिक्षण दिलवाना है जिससे वह रोजगार योग्य बन सकें।

- इस सेमेस्टर में विद्यार्थी को Job Internship/training पर जाना होगा। इसके अंतर्गत विद्यार्थी को कम से कम 30 घण्टे संबंधित संस्था में कार्य करना होगा। इसके अतिरिक्त 20 घण्टे विद्यार्थी द्वारा प्रोजेक्ट रिपोर्ट इत्यादि तैयार करने के लिये निर्धारित माने गये हैं। संबंधित संस्था में 30 घण्टे कार्य करने हेतु कम से कम एक सप्ताह एवं अधिकतम एक माह का समय निर्धारित किया जा सकता है।

- Job Internship/training हेतु निर्धारित 30 घण्टे सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरांत इस आशय का एक प्रमाण–पत्र संबंधित संस्था से लेना होगा। इसके अतिरिक्त संबंधित संस्था द्वारा विद्यार्थी को उसके कार्य के अनुरूप A, B, C, D, E ग्रेड भी प्रदान किया जावेगा, जिसे गोपनीय रखा जाएगा। इसे विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त बाह्य परीक्षक के द्वारा, परियोजना कार्य का मूल्यांकन करते समय खोला जावेगा। ग्रेड के अनुसार निर्धारित न्यूनतम अंको का आबंटन निम्न हैः

ग्रेड – A :	30 अंक	ग्रेड – D :	15 अंक
ग्रेड – B :	25 अंक	ग्रेड – E :	10 अंक
ग्रेड – C :	20 अंक		

- विद्यार्थी द्वारा चतुर्थ सेमेस्टर समाप्ति के पूर्व Job Internship/training पर तैयार प्रोजेक्ट रिपोर्ट विभाग में जमा की जाएगी।

- चतुर्थ सेमेस्टर के Job Internship/training पर तैयार प्रोजेक्ट–रिपोर्ट के मूल्यांकन हेतु बाह्य परीक्षक के समक्ष समस्त विद्यार्थियों को अपनी Job Internship/training Report पर Presentation देना होगा। इसके आधार पर बाह्य परीक्षक विद्यार्थी को संबंधित संस्था द्वारा दिये गये ग्रेड के न्यूनतम अंकों को सुरक्षित रखते हुए अधिकतम 20 अंकों (10 अंक रिपोर्ट हेतु एवं 10 अंक प्रस्तुतीकरण हेतु निर्धारित हैं।) में से अंक प्रदान करते हुए कुल 50 अंकों में से प्राप्तांकों का निर्धारण करेगा। यह प्रस्तुती **M.S. Powerpoint** में की जावेगी।

  उदाहरणार्थ : यदि किसी विद्यार्थी को उसकी संबंधित संस्था द्वारा B ग्रेड दिया जाता है तो प्राप्त होने वाले सुरक्षित अंक 20 होंगे और यदि बाह्य परीक्षक द्वारा दिये गये अंक 14/20 है तो विद्यार्थी को प्राप्त होने वाले प्राप्तांक 34/50 हो जाएँगे।

(परिशिष्ट–1)

A. Effective Communication & Application of English Language

1. Principles of Communication
2. Phonetics and Pronouciation
3. Thought Generation Techniques
4. Types of Communications
5. Barriers of Communications, Fluency Enhancement & Removal of Barriers to Communications
6. Importance of Listening
7. Group Discussion, Role-Play & Anchoring
8. Voice Modulation Management
9. Art of Effective Public Sppeaking
10. Written Communication Skills
11. Oral Presentation Skills

B. Presentation Skills

1. Techniques of Presentation
2. Methods of Preparing Presentation
3. Removal of Stage Fear
4. Tools of Presentation – Transparancies, Slides, Audio-Visual Tools

C. Memory Management

1. Memory and Retention Techniques
2. Mind Mapping
3. Reading & Listening Skills
4. Revision Tecniques
5. Examination Skills

D. Mind Management

1. Meditation
2. Patanjali's Eight Yoga Principles
3. Gautam Buddha's Eight Principles
4. Cocentration Enhancement Techniques
5. Transactional Analysis
6. Stress & Worry Management
7. Time Management

E. Qualities & Techniques of Effective People

1. Being Proactive
2. Beginning With End in Mind
3. Putting First Thing First
4. Win-Win Strategy
5. Understanding Before Getting Understood
6. Synergizing

F. Basic Qualities for Success

Capabilities, Surrender & Action

G. Essential Qualities for Success

Efforts, Willingness & Spirituality

H. Personality Projection

1. Leadership Skill Development
2. Team Building Skill
3. Interpersonal Dynamics

I. Non Verbal Communication

1. Importance of Body Language
2. Appropriate Body Postures
3. Expression for Impression
4. Professional Gestures

J. Professional Writing

1. Letter Drafting & Report Writing
2. Preparation of Resume, Biodata & Curriculum-Viate

K. Aptitude Development

1. Improving Mathematical Acumen
2. Enhancing Logical & Analytical Reasoning
3. Verbal & Non-verbal Ability

L. Corporate Communication

1. Code of Conduct in Profession
2. Managing Professional Relationships

M. SWOT Analysis

1. Introspection
2. Identifying Strengths & Weaknesses
3. Application of Strength
4. Overcoming Weaknesses

N. Group Dynamics

1. Concepts of Group Discussion, Types of Group Discussions
2. Etiquettes in Group Discussion
3. Understanding Group Tasks
4. Mock Group Discussion
5. Leadership Skills
6. Creative Brainstormings

O. Problem Solving Techniques

1. Case Studies & Analysis
2. Case Discussion & Presentation
3. Decision Making Skills
4. Principles of solving Dilemmas

P. Interview Techniques

1. Personal Interview Techniques
2. Frequently Asked Questions
3. Psychometric Analysis
4. Mock Interview Sessions

(परिशिष्ट–2)

स्नातकोत्तर–स्तर पर परियोजना कार्य की विस्तृत रूपरेखा का प्रारूप (*)

Proforma (*) for the detailed synopsis of the Project-Work at P.G. Level

(Applicable only to the first & second semester of PG classes)

1. परियोजना कार्य का शीर्षक : ....
   (Title of the Project-Work)

2. पाठ्यक्रम **(Course)** का चयन करने के पीछे आपका क्या उददे्श्य है ?
   ....
   ....

3. रोज़गार / स्वरोज़गार, उच्च–शिक्षा, नौकरी इत्यादि क्षेत्रों में रोज़गार की संभावनाओं को खोजने की दिशा में आपके द्वारा किये गये प्रयासों का किसी एक विकल्प पर विस्तृत विवरण।

   <u>विकल्प से संबंधित निम्न आधारों पर बिन्दुवार विवरण :</u>

   (i) विकल्प का नाम : ....

   (ii) विकल्प निम्नलिखित क्षेत्रों में से किससे संबंधित है ?

   1. शिक्षण कार्य करना।
   2. अनुसंधान के क्षेत्र में कार्य करते हुए वैज्ञानिक बनना अथवा और उच्च–स्तर की शिक्षा (M.Phil./Ph.D./M.Tech.) प्राप्त कर अपने विषय में उच्च स्तर के रोज़गार प्राप्त करना।
   3. उद्योगों एवं सरकारी/गैर सरकारी संस्थाओं में नौकरी प्राप्त करना।
   4. स्वयं का उद्योग/व्यवसाय स्थापित कर व्यापार प्रारंभ करना।

   ....

   (iii) विकल्प का चयन करने में आपको किससे प्रेरणा मिली ?

   ....
   ....

   (iv) विकल्प के लिये न्यूनतम अहर्ताऍ :

   शैक्षणिक : ....

   तकनीकी : ....

   अनुभव : ....

(v) विकल्प के लिये अतिरिक्त/उच्च शिक्षा की आवश्यकताएँ :

....
....

(vi) विकल्प के लिये प्रतियोगी परीक्षा/ट्रेनिंग इत्यादि से संबंधित जानकारी :

....
....
....
....
....

(vii) विकल्प से संबंधित जानकारियॉं अर्जित करने के लिये आपके द्वारा सर्वेक्षण की गयी (विजिट की गयी) सरकारी/गैर–सरकारी/निजी संस्थाओं का नाम एवं पता :

1. ....

2. ....

3. ....

4. ....

(viii) सर्वेक्षित (विजिट की गयी संस्थाओं से प्राप्त जानकारी/किये गये कार्यो का तिथिवार विवरण :

क्रमांक	दिनांक	संस्था का नाम	व्यक्ति जिनसे सम्पर्क किया गया		कार्य/प्राप्त की गयी जानकारी का संक्षिप्त विवरण
			नाम	दूरभाष	

(ix) विद्यार्थी द्वारा उपरोक्त विकल्प से संबंधित जानकारियाँ एकत्रित करने में जिन आवश्यक पुस्तकों, संदर्भ–ग्रन्थों, शोध–आलेखों, व्यावसायिक पत्र–पत्रिकाओं, कैरियर गाइड, सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से जानकारी का अर्जन किया हो तो उसका विवरण (संदर्भ–सूची के साथ) :

....
....
....
....
....
....

(x) उपरोक्त विकल्प क्षेत्र में भविष्य की चुनौतियाँ एवं संभावित उपाय :

....
....
....
....
....
....
....

(xi) परियोजना अध्ययन के दौरान विद्यार्थी ने सैद्धान्तिक कक्षाध्यापन एवं उसकी व्यावहारिक उपयोगिता के मध्य क्या अंतर पाया :

....
....
....
....
....
....

(xii) उपर्युक्त बिंदु (xi) के संदर्भ में सैद्धांतिक अध्यापन से अन्य अपेक्षाएँ :

....
....
....
....
....

(xiii) विद्यार्थी ने अपने अध्ययन के साथ–साथ परियोजना कार्य से संबंधित यदि किसी विश्वविद्यालय / औद्योगिक/व्यावसायिक/बैकिंग/ वित्तीय/विपणन संस्थान या संगठन या उपक्रम द्वारा संचालित सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, पी.जी. डिप्लोमा, व्यवसाय–मूलक एप्लीकेशन पाठ्यक्रम किया हो तो उसकी जानकारी दे :

....
....
....
....

विशेष टीप :

(अ) उपरोक्तानुसार वर्णित प्रारूप में आवश्यकतानुसार लिखने का स्थान (Writing space) बढ़ाया जा सकता है।

(ब) द्वितीय सेमेस्टर में विद्यार्थी द्वारा किसी दूसरे विकल्प के लिये उपरोक्तानुसार वर्णित प्रारूप में परियोजना कार्य का प्रतिवेदन (प्रोजेक्ट–रिपोर्ट) प्रस्तुत किया जाएगा।

(स) द्वितीय सेमेस्टर की प्रोजक्ट–रिपोर्ट में निम्नानुसार छः अतिरिक्त बिन्दु उपरोक्त प्रारूप में जोड़े जाएँगें :

(xiv) प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर में लिये गये विकल्पों का तुलनात्मक अध्ययन :

....
....
....
....

(xv) विद्यार्थी द्वारा भविष्य की संभावनाओं एवं स्वयं की अभिरूचि को ध्यान में रखते हुए चयनित विकल्प का नाम :

....
....

(xvi) उपरोक्त विकल्प चयन करने का विस्तृत कारण :

....
....
....
....
....

(xvii) चयनित विकल्प के संदर्भ में उपयोगी प्रत्यक्ष कौशलों की बिंदुवार जानकारियॉ और विद्यार्थी के परिप्रेक्ष्य में कौशल का वर्तमान–स्तर एवं कौशल को समृद्ध करने के उपाय :

....
....
....
....

(xviii) विकल्प के संदर्भ में उपयोगी अप्रत्यक्ष–कौशलों की बिंदुवार जानकारियॉ और विद्यार्थी के परिप्रेक्ष्य में कौशल का वर्तमान–स्तर एवं कौशल को और समृद्ध करने के उपाय :

....
....
....
....

(xix) उपरोक्त कौशलों के संदर्भ में विद्यार्थी द्वारा एकत्रित सैद्धांतिक जानकारियॉ :

....
....
....
....
....
....
....
....

(*) *यह प्रारूप (Wordfile) उच्च शिक्षा विभाग की वेबसाइट* ***www.mpgov.in/higher education*** *से डाउनलोड किया जा सकता है।*

परियोजना कार्य का प्रतिवेदन (प्रोजेक्ट–रिपोर्ट) तैयार करने के संबंध में अन्य आवश्यक निर्देश :

- प्रतिवेदन A4 आकार (साईज) के पृष्ठों पर हस्तलिखित (प्रथम–सेमेस्टर हेतु) होना चाहिये।

- पृष्ठ का विवरण (Page Specification) :

  Left Margin - 3.0 cms
  Right Margin - 2.0 cms
  Top Margin - 2.5 cms
  Bottom Margin - 2.5 cms

  Page Numbers - All text pages should be numbered at the bottom centre of pages in the format *Page **X** of **Y***.

  *(Where: **X** = Page Number & **Y** = Total number of pages in the report)*

- प्रतिवेदन का फार्मेट (Report format) :
  - मुख्य पृष्ठ – फार्मेट के अनुरूप (Cover Page – As per format)
  - आभार (Acknowlegement)
  - विद्यार्थी का घोषणापत्र – फार्मेट के अनुरूप (Declaration of the Student – As per format)
  - सर्वेक्षित संस्था का प्रमाण–पत्र (Certificate of the surveyed Institution – As per format)
  - परियोजना कार्य की विस्तृत रूपरेखा (Detailed Synopsis of the Project Work – As per format)

- फार्मेट (Format) :
  - मुख्य पृष्ठ (Cover Page)

परियोजना कार्य का शीर्षक
Title of the Project

कक्षा एवं सेक्शन का नाम
Name of the Class & Section

Project report submitted to –

महाविद्यालय का नाम
Name of the College

हस्ताक्षर (निर्देशक) : ....
Signature (Guide)

निर्देशक का नाम : ....
Name of the Guide

हस्ताक्षर विद्यार्थी : ....
Signature (Student)

विद्यार्थी का नाम : ....
Signature (Student)

विद्यार्थी का अनुक्रमांक : ....
Student's Roll Number

विद्यार्थी के घोषणा–पत्र का फार्मेट (Format for Declaration of the student)

विद्यार्थी का घोषणा–पत्र

मैं .... (विद्यार्थी का नाम) आत्मज/आत्मज श्री/श्रीमती .... (अभिभावक/पालक का नाम) घोषित करता/करती हूॅं कि संलग्न परियोजना कार्य मेरे द्वारा स्वयं पूर्ण किया गया है एवं मौलिक है। उक्त परियोजना कार्य मैंने प्रो./डॉ. .... विभाग .... के मार्गदर्शन में पूर्ण किया है।

दिनांक : ....
स्थान : ....

विद्यार्थी के हस्ताक्षर : ....
नाम : ....
कक्षा : ....
अनुक्रमांक : ....
पता : ....
....
दूरभाष : ....

Declaration of the Student

I …………………………..... son/daughter of …………………………….. certify that the project report entitled ....….……………………… …………….…………………………….... prepared by me is my personal and an authentic work under the guidance of ……………………….....………............. .... *(Name of Guide with Department).*

Date : ………………
Place : ……………..

Signature of the Student: ……………….
Name: ....
Class: ....
Roll Number: ....
Address: ....
....
Contact Number: ....

सर्वेक्षित संस्था के प्रमाण–पत्र का फार्मेट (Format of the Certificate of the surveyed Institution)

<u>सर्वेक्षित संस्था का प्रमाण–पत्र</u>

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कु. .... *(विद्यार्थी का नाम)* ने अपने परियोजना कार्य को पूर्ण करने हेतु इस कार्यालय/संस्था में उपस्थित हुए। परियोजना कार्य के दौरान इनका कार्य एवं व्यवहार संतोषजनक रहा।

हस्ताक्षर : ....

नाम : ....

स्थान : ....

दिनांक : ....

पद : ....

कार्यालय/संस्था : ....

<u>Certificate of the Surveyed Institution</u>

This is to certify that Mr./Ms. ……………....................................... *(Name of the student)* has visited our office/Institution for his/her project work. During the project work his/her work and behaviour was satisfactory.

Date: ………………..

Place: ……………….

Signature: ….………………………

Name: ….…………………………..

Designation: …………………….

Office/Institution: ……………….